IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 3, Issue 4, April 2023
Impact Factor: 7.301

माध्यमिक स्तर के विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र एवं छात्राओं में पारिवारिक उत्तरदायित्व की भावना का तुलनात्मक अध्ययन (झाँसी जिले के विशेष सन्दर्भ में)

अरविन्द कुमार आर्य (शोधार्थी)
डॉ., विभा चौहान, (शोध निर्देशिका)
सहायक प्राध्यापिका, शिक्षा विभाग
जे. एस. विश्वविद्यालय, शिकोहाबाद

सारांश: शिक्षा, हमारे चिन्तन को विवेक सम्मत् बनाती है, जिससे हमें समाज को, कुरीति और अन्याय से मुक्त कराने की प्रेरणा मिलती है। शिक्षा के माध्यम से ही व्यक्ति के सम्पूर्ण व्यक्तित्व का विकास हो पाना सम्भव है। शिक्षा ही आम व्यक्ति को समाज में अलग एक विशिष्ट स्थान दिलानें में सार्मथ्य रखती है तथा मानव व्यवहार परिष्कृत करती है। शिक्षा का उद्देश्य व्यक्ति को परिपक्त बनाना है। शिक्षा केवल वह नहीं जो छात्रों को स्कुल एवं विद्यालय में दी जाती है, अपितु शिक्षा व्यापक अर्थो में जीवन पर्यन्त चलने वाली एक ऐसी प्रक्रिया है जो विभिन्न वर्ग और श्रेणी के लोगों के आपसी विचार–विमर्श के द्वारा चलती रहती है। शिक्षा एक व्यापक प्रक्रिया है जिसमें बालक में निहित आंतरिक क्षमताओं का विकास समग्र रूप से करने के साथ ही व्यैक्तिक, पारिवारिक, सामाजिक नैतिक तथा राष्ट्रीय मूल्यों के उत्तरदायित्व के निर्वाहन हेतु तैयार किया जाता है। शिक्षा के द्वारा ही बालक के ऐसे व्यक्तित्व का निर्माण सम्भव है जो वातावरण एवं मूल्यों के संरक्षण के साथ अनुकूल परिवेश के निर्माण तथा उत्तरदायित्व निभाने के लिये समर्थ बनाने में भी सहायक सिद्ध हो।)

शब्द कुंजी : माध्यमिक स्तर, छात्र एवं छात्रायें, पारिवारिक उत्तरदायित्व

सन्दर्भ

1. अनमोल सिन्हा 2021, 'आधुनिकता बनाम प्राचीनता – एक समीक्षात्मक
2. अध्ययन',प्रकाशन शोध प्रपत्र, 2021,
3. अनिता चौरासे 2005, 'पाश्चात्य संस्कृति के सकारात्मक एवं नकारात्मक प्रभाव – एक विश्लेषणात्मक अध्ययन', एम. फिल. जेजेटीयू, राजस्थान, 2005
4. अरूण कुमार सिंह. (2005), "उच्चतर सामान्य मनोविज्ञान", मोतीलाल बनारसी दास प्रकाषन अकादमी, नई दिल्ली.
5. कपिल, एच. के. 'सांख्यिकी के मूलतत्व', विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
6. Coontz, Horold and O. Deneel, Cyrill, 'Management", Newyork, McGraw Hill.
7. शर्मा, आर.ए., (1995) 'मानव मूल्य एवं शिक्षा', आर.लाल बुक डिपो, मेरठ।
8. शर्मा, आर.के. व दुबे, श्रीकृष्ण (2007) 'मूल्यों का शिक्षण', राधा प्रकाशन मंदिर, आगरा।
9. श्रीवास्तव, डी.एन., (नवीन संस्करण) 'सांख्यिकी एवं मापन', विनोद पुस्तक मंदिर,आगरा।
10. योगजेन्द्र सिंग (2013), 'माध्यमिक स्तर के एकल एवं संयुक्त परिवारों के विद्यार्थियों की अभिवृत्ति, समायोजन, नैतिक मूल्यों एवं आकांक्षा स्तर का तुलनात्मक अध्ययन'।